e-ISSN:2582 - 7219

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

Volume 4, Issue 6, June 2021

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 5.928

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928

| Volume 4, Issue 6, June 2021 |

भारत में कोरोनावायरस महामारी

Suman Rani Makkar

Associate Professor in Hindi, Swargiya Pandit Nawal Kishore Sharma Government P. G. College, Dausa, Rajasthan, India

सार: कोरोना वायरस (सीओवी) का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्लूएचओ के मुताबिक बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं।
इसके संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। यह वायरस दिसंबर में सबसे पहले चीन में पकड़ में आया था। इसके दूसरे देशों में पहुंच जाने की आशंका जताई जा रही है।

कोरोना से मिलते-जुलते वायरस खांसी और छींक से गिरने वाली बूंदों के ज़रिए फैलते हैं। कोरोना वायरस अब चीन में उतनी तीव्र गति से नहीं फ़ैल रहा है जितना दुनिया के अन्य देशों में फैल रहा है। कोविड 19 नाम का यह वायरस अब तक 70 से ज़्यादा देशों में फैल चुका है। कोरोना के संक्रमण के बढ़ते ख़तरे को देखते हुए सावधानी बरतने की ज़रूरत है ताकि इसे फैलने से रोका जा सके। हमारा टीकाकरण डेटासेट दुनिया भर की सरकारों और स्वास्थ्य मंत्रालयों के नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों का उपयोग करता है। प्रति व्यक्ति मीट्रिक की गणना के लिए हम जिस जनसंख्या अनुमान का उपयोग करते हैं, वे सभी संयुक्त राष्ट्र विश्व जनसंख्या संभावनाओं के अंतिम संशोधन पर आधारित हैं। हमारे देश-विशिष्ट स्रोतों की एक पूरी सूची इस पृष्ठ के नीचे उपलब्ध है , हां अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर भी देते हैं ।

परिचय

कोवाइड- 19 / कोरोना वायरस में पहले बुख़ार होता है। इसके बाद सूखी खांसी

होती है और फिर एक हफ़्ते बाद सांस लेने में परेशानी होने लगती है।

इन लक्षणों का हमेशा मतलब यह नहीं है कि आपको कोरोना वायरस का संक्रमण है। कोरोना वायरस के गंभीर मामलों में निमोनिया, सांस लेने में बहुत ज़्यादा परेशानी, किडनी फ़ेल होना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। बुजुर्ग या जिन लोगों को पहले से अस्थमा, मधुमेह या हार्ट की बीमारी है उनके मामले में ख़तरा गंभीर हो सकता है। ज़ुकाम और फ्लू में के वायरसों में भी इसी तरह के लक्षण पाए जाते हैं।[1]

इस समय कोरोना वायरस का कोई इलाज नहीं है लेकिन इसमें बीमारी के लक्षण कम होने वाली दवाइयां दी जा सकती हैं।[2]

जब तक आप ठीक न हो जाएं, तब तक आप दूसरों से अलग रहें।

कोरोना वायरस के इलाज़ के लिए वैक्सीन विकसित करने पर काम चल रहा है।

इस साल के अंत तक इंसानों पर इसका परीक्षण कर लिया जाएगा।

कुछ अस्पताल एंटीवायरल दवा का भी परीक्षण कर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।[3]

इनके मुताबिक हाथों को साबुन से धोना चाहिए।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928

| Volume 4, Issue 6, June 2021 |

अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू पेपर से ढंककर रखें।

जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों, उनसे दूरी बनाकर रखें।

अंडे और मांस के सेवन से बचें।[4]

जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

अगर आप स्वस्थ हैं तो आपको मास्क की जरूरत नहीं है।

अगर आप किसी कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति की देखभाल कर रहे हैं, तो आपको मास्क पहनना होगा।

जिन लोगों को बुखार, कफ या सांस में तकलीफ की शिकायत है, उन्हें मास्क पहनना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।[5]

मास्क पर सामने से हाथ नहीं लगाना चाहिए।

अगर हाथ लग जाए तो तुरंत हाथ धोना चाहिए।

मास्क को ऐसे पहनना चाहिए कि आपकी नाक, मुंह और दाढ़ी का हिस्सा उससे ढंका रहे।

मास्क उतारते वक्त भी मास्क की लास्टिक या फीता पकड़कर निकालना चाहिए, मास्क नहीं छूना चाहिए।[6]

हर रोज मास्क बदल दिया जाना चाहिए। अंडे और मांस के सेवन से बचें।

जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

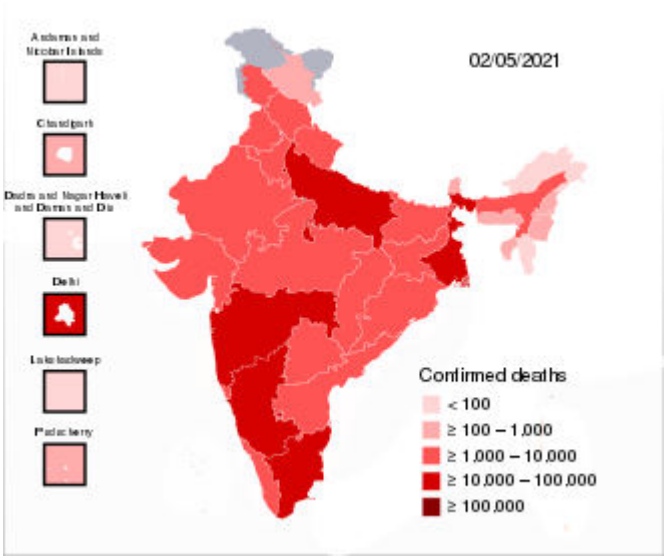

महामारी के कारण हुई मौतों का नक्शा

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928

| Volume 4, Issue 6, June 2021 |

विचार-विमर्श

अगर आप किसी कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति की देखभाल कर रहे हैं, तो आपको मास्क पहनना होगा।[7]

जिन लोगों को बुखार, कफ या सांस में तकलीफ की शिकायत है, उन्हें मास्क पहनना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए, मास्क पर सामने से हाथ नहीं लगाना चाहिए।

अगर हाथ लग जाए तो तुरंत हाथ धोना चाहिए।

मास्क को ऐसे पहनना चाहिए कि आपकी नाक, मुंह और दाढ़ी का हिस्सा उससे ढंका रहे।

मास्क उतारते वक्त भी मास्क की लास्टिक या फीता पकड़कर निकालना चाहिए, मास्क नहीं छूना चाहिए।[8]

हर रोज मास्क बदल दिया जाना चाहिए। कोरोना से मिलते-जुलते वायरस खांसी और छींक से गिरने वाली बूंदों के ज़रिए फैलते हैं।[9]

स्वास्थ्यकर्मी

अपने हाथ अच्छी तरह धोएं।

खांसते या छींकते वक़्त अपना मुंह ढंक लें।

हाथ साफ़ नहीं हो तो आंखों, नाक और मुंह को छूने बचें। सार्वजनिक वाहन जैसे बस, ट्रेन, ऑटो या टैक्सी से यात्रा न करें।

घर में मेहमान न बुलाएं।

घर का सामान किसी और से मंगाएं।

ऑफ़िस, स्कूल या सार्वजनिक जगहों पर न जाएं।

अगर आप और भी लोगों के साथ रह रहे हैं, तो ज़्यादा सतर्कता बरतें।

अलग कमरे में रहें और साझा रसोई व बाथरूम को लगातार साफ़ करें।[10]

14 दिनों तक ऐसा करते रहें ताकि संक्रमण का ख़तरा कम हो सके।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928

| Volume 4, Issue 6, June 2021 |

अगर आप संक्रमित इलाक़े से आए हैं या किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहे हैं तो आपको अकेले रहने की सलाह दी जा सकती है। अत: घर पर रहें।[11]

परिणाम और निष्कर्ष

लगभग 18 साल पहले सार्स वायरस से भी ऐसा ही खतरा बना था। 2002-03 में सार्स की वजह से पूरी दुनिया में 700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। पूरी दुनिया में हजारों लोग इससे संक्रमित हुए थे। इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ा था। कोरोना वायरस के बारे में अभी तक इस तरह के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं कि कोरोना वायरस पार्सल, चिट्ठियों या खाने के ज़रिए फैलता है। कोरोना वायरस जैसे वायरस शरीर के बाहर बहुत ज़्यादा समय तक ज़िंदा नहीं रह सकते। कोरोना वायरस को लेकर लोगों में एक अलग ही बेचैनी देखने को मिली है। मेडिकल स्टोर्स में मास्क और सैनेटाइजर की कमी हो गई है, क्योंकि लोग तेजी से इन्हें खरीदने के लिए दौड़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड और नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) से प्राप्त सूचना के आधार पर हम आपको कोरोना वायरस से बचाव के तरीके बता रहे हैं। एयरपोर्ट पर यात्रियों की स्क्रीनिंग हो या फिर लैब में लोगों की जांच, सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए कई तरह की तैयारी की है। इसके अलावा किसी भी तरह की अफवाह से बचने, ख़ुद की सुरक्षा के लिए कुछ निर्देश जारी किए हैं जिससे कि कोरोना वायरस से निपटा जा सकता है। [12]इस महामारी को समाप्त करने के लिए, दुनिया के एक बड़े हिस्से को वायरस से प्रतिरक्षित होने की आवश्यकता है। इसे प्राप्त करने का सबसे सुरक्षित तरीका एक टीका है। टीके एक ऐसी तकनीक है जिस पर मानवता ने अतीत में संक्रामक रोगों से होने वाली मौतों की संख्या को कम करने के लिए अक्सर भरोसा किया है।

संदर्भ

1. ^ "केरल ने भारत में पहले उपन्यास कोरोनवायरस स की पुष्टि की" । *इंडिया टुडे* । 30 जनवरी 2020।
2. ^ रीड, डेविड (30 जनवरी 2020)। "भारत अपने पहले कोरोनावायरस मामले की पुष्टि करता है" । सीएनबीसी । 28 मार्च 2020 को लिया गया ।
3. ^ "गृह | स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय | भारत सरकार" । *mohfw.gov.in* । 26 जून 2021 को लिया गया ।
4. ^ पेरप्पडन, बिंदु शाजन (30 जनवरी 2020)। "केरल में भारत के पहले कोरोनावायरस संक्रमण की पुष्टि हुई" । *द हिंदू* । आईएसएसएन 0971-751X । 24 फरवरी 2021 को लिया गया ।
5. ^ "भारत सबसे Covid -19 से एशियाई देशों के बीच, संक्रमित पीछे पत्ते तुर्की" । *हिंदुस्तान* । 29 मई 2020 । 30 मई 2020 को लिया गया ।
6. ^ "#इंडियाफाइट्सकोरोना COVID-19" । *मेरी सरकार.इन*. भारत सरकार । 12 जून 2021 को लिया गया ।
7. ^ अमित (24 मई 2021)। "भारत का कोविद टोल 3 लाख में सबसे ऊपर, 12 दिनों में 50,000 मौतें" । *टाइम्स ऑफ इंडिया* । 24 मई 2021 को लिया गया ।
8. ^ "भारत का COVID संकट 'बियॉन्ड हार्टब्रेकिंग': WHO" . अल जज़ीरा । 26 अप्रैल2021 को लिया गया ।
9. ^ एंड्रयूज, एमए; अरीकल, बीनू; राजेश, के.आर.; कृष्णन, जिजिथ; सूर्यकला, आर; कृष्णन, बीजू; मुरली, सीपी; संतोष, पीवी (मई 2020)। "भारत में COVID-19 संक्रमण का पहला पुष्ट मामला: एक केस रिपोर्ट" । *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल* । **१५१** (५): ४९०-४९२। डोई : 10.4103/ijmr.IJMR_2131_20 । पीएमसी 7530459 । पीएमआईडी ३२६११ ९ १८ । 1 जून 2021 को लिया गया ।
10. ^ नरसिम्हन, टीई (30 जनवरी 2020)। "भारत का पहला कोरोनावायरस केस: वुहान में केरल के छात्र ने सकारात्मक परीक्षण किया" । *बिजनेस स्टैंडर्ड इंडिया* । मूलसे 11 मार्च 2020 को संग्रहीत किया गया । 7 मार्च 2020 को लिया गया ।
11. ^ "1 लाख से अधिक संक्रमण, आधे मामलों वाले पांच शहर: भारत की अब तक की कोरोनावायरस कहानी" । । 20 मई 2020 को लिया गया ।
12. ^ शिवानी कुमार (10 जून 2020)। "कोविद -19: ठीक होने वालों की संख्या पहली बार सक्रिय मामलों से अधिक है" । *हिंदुस्तान* । नई दिल्ली । 11 जून 2020 को लिया गया ।

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 5.928

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

9710 583 466 9710 583 466 ijmrset@gmail.com

www.ijmrset.com